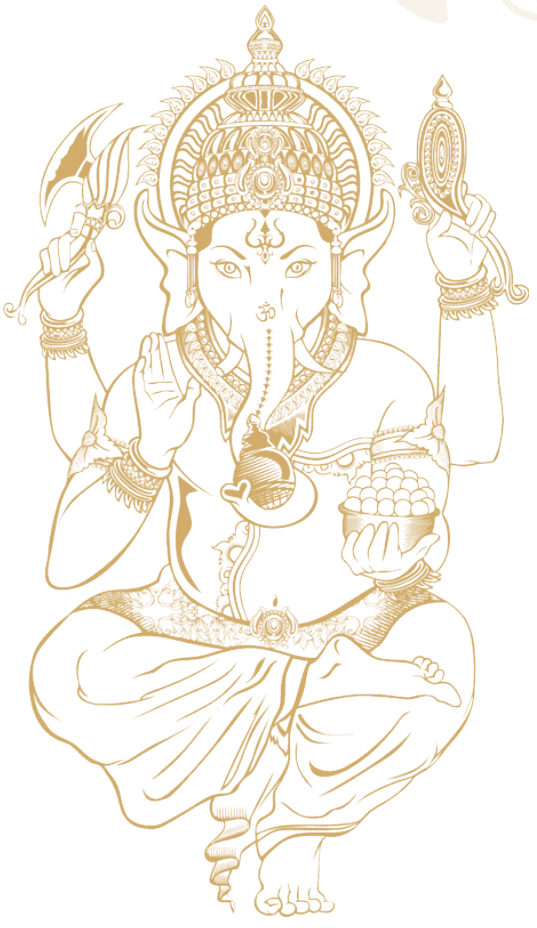

Naveen

Anjali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121271502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/09/2002	जन्म तिथि	21/10/2005
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 06:25:00	जन्म समय	08:00:00 घंटे
घटी 00:50:12	जन्म समय(घटी)	03:57:01 घटी
India	देश	India
Kherli	स्थान	Jaipur
27:12:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
77:02:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:52	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:55	सूर्योदय	06:29:42
18:32:29	सूर्यास्त	17:52:41
23:53:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:12

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 1वर्ष 2मा 22दि		26:54:52	सिंह	लग्न	तुला	22:41:43	चन्द्र 3वर्ष 2मा 20दि	
गुरु		23:16:18	सिंह	सूर्य	तुला	03:51:27	राहु	
02/12/2021		04:19:34	तुला	चंद्र	वृष	19:02:15	10/01/2016	
02/12/2037		13:22:55	सिंह	मंगल व	मेष	26:45:36	10/01/2034	
गुरु	20/01/2024	18:15:11	कन्या	बुध	तुला	24:08:15	राहु	23/09/2018
शनि	03/08/2026	14:25:01	कर्क	गुरु	तुला	04:58:16	गुरु	15/02/2021
बुध	08/11/2028	07:37:26	तुला	शुक्र	वृश्चि	20:19:05	शनि	23/12/2023
केतु	14/10/2029	04:17:56	मिथु	शनि	कर्क	16:25:19	बुध	12/07/2026
शुक्र	14/06/2032	18:50:29	वृष व	राहु व	मीन	19:37:50	केतु	30/07/2027
सूर्य	03/04/2033	18:50:29	वृश्चि व	केतु व	कन्या	19:37:50	शुक्र	30/07/2030
चन्द्र	03/08/2034	02:09:08	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	13:10:55	सूर्य	24/06/2031
मंगल	10/07/2035	14:43:51	मक व	नेप व	मक	20:53:23	चन्द्र	22/12/2032
राहु	02/12/2037	21:04:08	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	28:30:37	मंगल	10/01/2034

लग्न-चलित

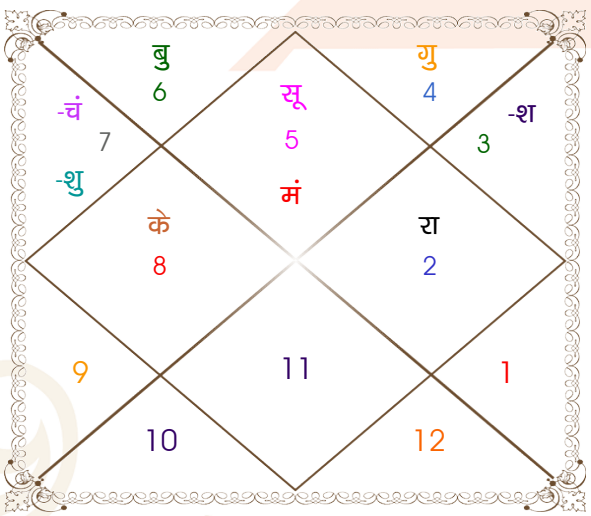

लग्न-चलित

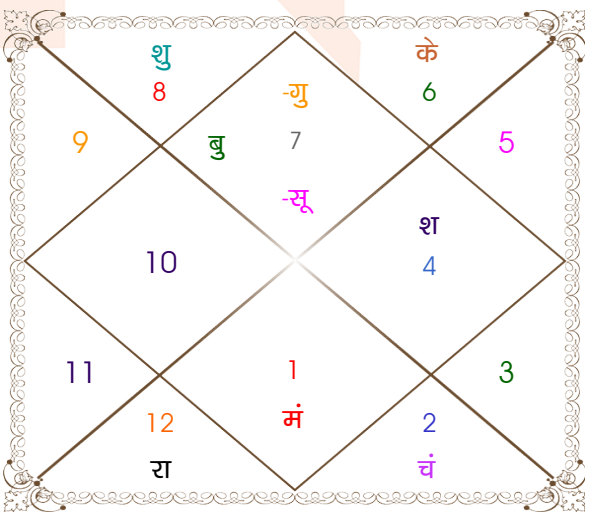

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Naveen का वर्ग मृग है तथा Anjali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Anjali का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Anjali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Anjali कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Anjali कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Anjali कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Anjali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Naveen कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Naveen तथा Anjali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।